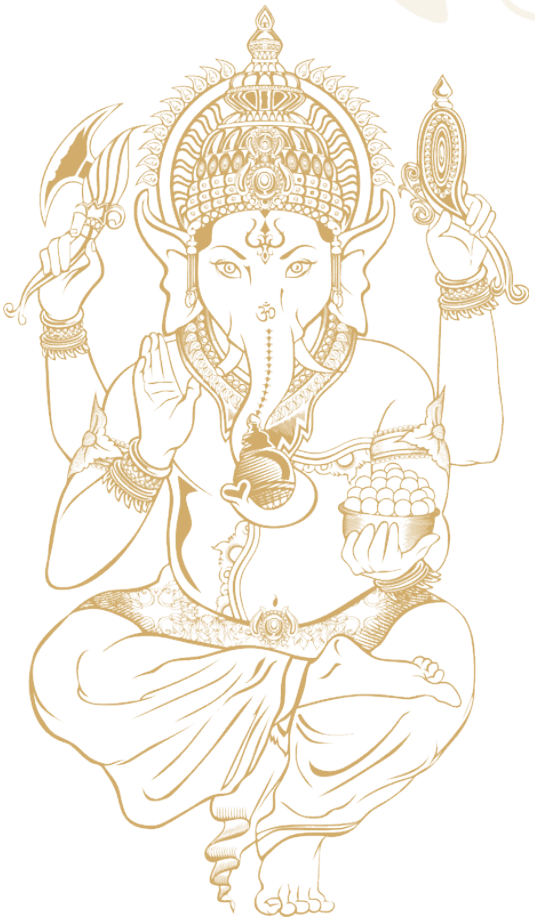

Manul

Priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121802508

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/04/1995	जन्म तिथि	13/09/1998
मंगलवार	दिन	रविवार
घंटे 15:41:00	जन्म समय	15:45:00 घंटे
घटी 24:10:02	जन्म समय(घटी)	24:10:11 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Ghaziabad
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:40:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:00:59	सूर्योदय	06:04:03
18:44:13	सूर्यास्त	18:28:03
23:47:38	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 4वर्ष 8मा 27दि		17:51:48	सिंह	लग्न	मक	05:45:39	मंगल 2वर्ष 11मा 20दि	
चन्द्र		27:16:13	मीन	सूर्य	सिंह	26:35:20	गुरु	
06/01/2026		04:18:10	सिंह	चंद्र	मिथु	01:00:10	04/09/2019	
07/01/2036		21:08:29	कर्क	मंगल	कर्क	21:12:31	04/09/2035	
चन्द्र	07/11/2026	23:53:21	मीन	बुध	सिंह	15:38:51	गुरु	22/10/2021
मंगल	08/06/2027	21:26:10	वृश्चि व	गुरु व	कुंभ	29:34:41	शनि	04/05/2024
राहु	07/12/2028	23:15:25	कुंभ	शुक्र	सिंह	14:21:13	बुध	10/08/2026
गुरु	08/04/2030	25:32:12	कुंभ	शनि व	मेष	09:05:33	केतु	17/07/2027
शनि	07/11/2031	11:52:46	तुला व	राहु	सिंह	07:30:52	शुक्र	17/03/2030
बुध	07/04/2033	11:52:46	मेष व	केतु	कुंभ	07:30:52	सूर्य	03/01/2031
केतु	06/11/2033	06:26:31	मक	हर्ष व	मक	15:28:20	चन्द्र	04/05/2032
शुक्र	08/07/2035	01:40:53	मक	नेप व	मक	05:45:34	मंगल	10/04/2033
सूर्य	07/01/2036	06:24:47	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:40:46	राहु	04/09/2035

लग्न-चलित

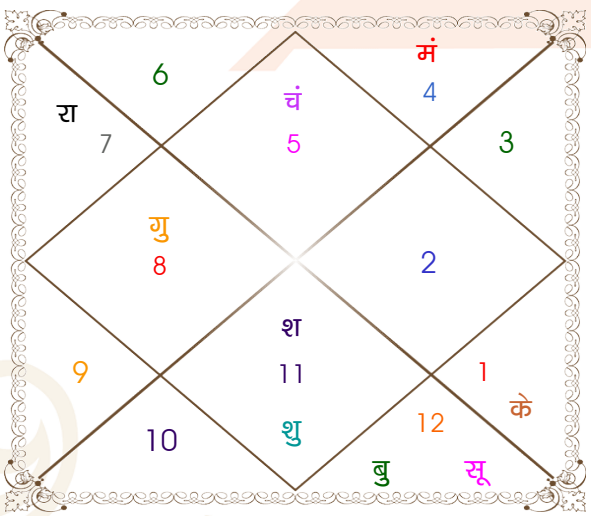

लग्न-चलित

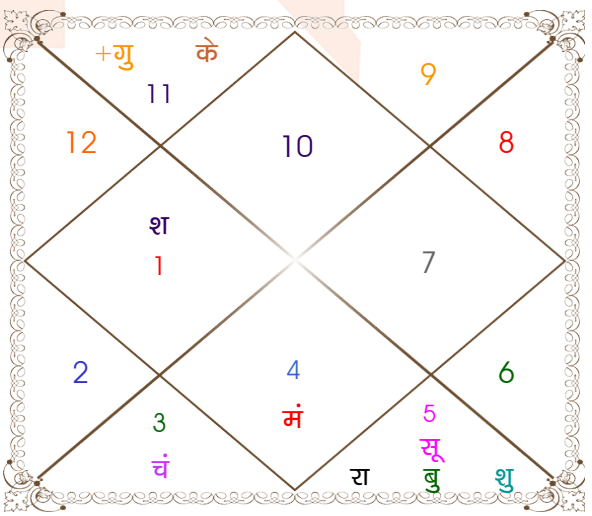

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

Manul का वर्ग मूषक है तथा Priya का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Manul और Priya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Manul मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Manul कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Manul कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Priya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Priya कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Priya कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Manul कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Manul कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Manul तथा Priya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।